भक्ति गीत

प्यासा हिरन जैसे
ढूँढे है जल को
ऐसे प्रभु मैं तुझे खोज रहा
तू ही मेरे मन की अभिलाषा
तेरी पूजा-निस दिन करता रहूँ मैं,
प्यासा हिरन जैसे .....
सोना-चाँदी मैं तो न माँगू
मन तेरे प्रेम से भरता रहूँ मैं।
तू जो बन जाए श्रद्धा-सुमन
पुष्प-पराग-सा झरता रहूँ मैं
तू जो मेरे दिल में वास करे
पाप से नित-नित डरता रहूँ मैं।।